केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

केलोनिवि, भारत सरकार के लिए निर्माण कार्य तथा रेलवे, रक्षा,संचार, परमाणु ऊर्जा, एयरपोर्ट और आकाशवाणी को छोड़कर सभी केन्द्र सरकार भवनों तथा परियोजनाओं के लिए प्रमुख अभिकरण है ।

केलोनिवि का प्रारंभ, 1863 में अजमेर प्रोविसियल डिवीजन की स्थापना से मानी जा सकती है इसने अपना वर्तमान स्वरुप तथा महत्व उस समय हासिल किया जब इसने राष्ट्रीय राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने के लिए अवस्थापना सुविधा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । विभाग ने राष्ट्रपति भवन, नार्थ ब्लॉक तथा साउथ ब्लाक, संसद भवन और इंडिया गेट जैसे स्मारक भवन बनाए । यह अब भी नई दिल्ली का सबसे महत्वपूर्ण भाग है ।

विभाग ने औपचारिक रुप से 1930 से केलोनिवि के रुप कार्य करना शुरु किया ।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के काल में केलोनिवि के कार्यकलाप काफी तेजी से बढ़े हैं । विभाग ने राष्ट्र के विकास में सक्रिया रुप से भाग लिया और विकास के लगभग हर क्षेत्र में सामाजिक और भौतिक अवसंरचना के सृजन में योगदान दिया है । केलोनिवि ने अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मिजोरम, हिमाचल प्रदेश, अंडमान तथा निकोबार, लक्षद्वीप आदि जैसे दुर्गम क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकास कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं ।

केलोनिवि क्या करता है?

केलोनिवि निम्नलिखित अनुसार विभिन्न प्रकार की परियोजनाएं देखता तथा निष्पादित करता है ।

1. भवन परियोजनाएं

- रिहायशी भवन तथा परिसर
- कार्यालय और वाणिज्यिक भवन
- सार्वजनिक अवस्थापना

    1. सड़के , पुल, फ्लाईओवर तथा टनल
    2. वाटर टैंक

- संस्थागत भवन
    1. विश्वविद्यालय, स्कूल तथा कालेज
    2. मेडिकल कालेज तथा अस्पताल
    3. वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशालाएं

- मनोरंजन और खेल भवन

    1. होलीडे होम
    2. पर्यटक रिसार्ट
    3. स्टेडियम तथा सांस्कृतिक परिसर
    4. सम्मेलन भवन

- औद्योगिक भवन

1. सिलोज
2. टकसाल और बैंक नोट प्रेस
3. कागज मिलें

- भूदृश्य

1. स्मारक
2. पार्क तथा उद्यान

केलोनिवि का संगठनात्मक गठन

निर्माण महानिदेशक, केलोनिवि, विभाग के प्रशासनिक तथा तकनीकी प्रमुख हैं । यह भारत सरकार के तकनीकी सलाहकार के रुप में भी कार्य करते हैं ।

उनके पश्चात दायित्व के लिए 6 अपर महानिदेशक हैं । इनमें से निर्माण महानिदेशक की कार्यनीतिक आयोजना(एसपी) तथा तकनीकी विभाग(टीडी) के क्षेत्रों में सहायता के लिए दो अपर महानिदेशक मुख्यालय में तैनात हैं, शेष चार, क्षेत्रीय गठनों की अध्यक्षता करते हैं जिनके मुख्यालय नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा चेन्नई में है जो देश के उत्तरी , पश्चिमी पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों को देखते हैं । इसके अतिरिक्त सीमा बाड़ तथा इंडो पाक और इंडो बंगला देश सीमा पर फ्लड लाइटिंग की परियोजना का कार्य देखने के लिए एक अतिरिक्त ऊपर महानिदेशक हैं और एक अन्य अपर महानिदेशक विभाग के वास्तुकीय विंग का कार्य देखते हैं ।

विभाग के अधिकांश राज्य राजधानियों में जोनल कार्यालय हैं । वर्तमान में बीस सिविल जोन तथा 6 वैद्युत जोन हैं जो प्रत्येक मुख्य इंजीनियर के अधीन है । इसके अतिरिक्त परियोजनाओं के लिए समर्पित परियोजना टीमें हैं जो प्रत्येक मुख्य इंजीनियर के अधीन है ।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अवस्थापना

1. सीमा बाड़
2. फ्लड लाइटिंग
3. सड़कें तथा अन्य अर्द्धसैनिक कार्य
4. सीमा तथा दूरस्थ क्षेत्रों में संगठन

- विविध
- लाइटिंग परियोजनाएं

2. पूंजीगत परिसंपत्तियों का रखाव

सिविल, इलैक्ट्रिकल, मैकेनिकल, वातानुकूलन, उद्यानकृषि और अन्य सेवाओं सहित रिहायशी तथा गैर रिहायशी भवन ।

केलोनिवि ने दिल्ली में आवासियों द्वारा सेवा अपेक्षाओं को सीधे दर्ज कराने के लिए वेब आधारित कंप्यूटरीकृत रिकार्डिंग और मॉनीटरिंग प्रणाली शुरु की है । यह सुविधा चौबीसों घंटे दूरभाष सं0 4369858(24 लाइनों) पर उपलब्ध है । सेवा संबंधी जरुरतें आवासियों द्वारा इंटरनेट के जरिए भी http://cpwdsewa.nic.in.साइट पर दर्ज कराई जा सकती है । इंटरएक्टिव वायस रेसपांस सिस्टम और वेबसाइट अत्यंत प्रयोक्ता अनुकूल हैं और ये न केवल आवासियों को अपनी सेवा जरुरतें दर्ज कराने में मदद करती है बल्कि उन्हें उनकी सेवा जरुरतों के संबंध में स्थिति भी बताती हैं ।

परामर्श

- प्रमुख भवनों व इंजीनियरी परियोजनाओं तथा जटिल संरचनाओं की आयोजना और डिजाइन बनाना
- वातानुकूलन और वैद्युत अधिष्ठापनाओं जैसी सेवाओं के लिए विशेष आयोजना

4. **परियोजना प्रबंधन**

भारत में तथा विदेश में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र संगठन/स्वायत्त निकायों को परामर्शी सेवाएं ।

5. **मूल्यांकन**

प्रत्यक्ष कर कानूनों के कार्यान्वयन में अचल संपत्तियों की प्रीएम्पिटव खरीद के लिए अचल परिसंपत्तियों का आकलन

6. **तकनीकी जानकारी**

राष्ट्रीय संहिता तथा मानक तैयार करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो और भारतीय सड़क कांग्रेस की विभिन्न समितियों में भाग लेना तथा अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनारों में जानकारी का आदान-प्रदान

7. **निक्षेप कार्य**

निक्षेप कार्य के रुप में सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और स्वायत्त निकायों के कार्य और चार मुख्य वास्तुक में से दो दिल्ली में स्थित हैं और एक मुबई तथा एक कोलकाता में स्थित है जो एडीजी(आर्क0) के तकनीकी नियंत्रणाधीन विभिन्न क्षेत्रों के तहत निष्पादित परियोजनाओं के लिए वास्तुकीय आयोजना का कार्य देखते हैं ।

हार्टिकल्चर विंग के प्रमुख उद्यान निदेशक हैं जो दिल्ली में स्थित है तथा फील्ड यूनिटों के नेटवर्क की सहायता से उद्यान कृषि कार्य देखते हैं ।

दो मुख्य इंजीनियर अचल संपत्तियों के मूल्यांकन के लिए आयकर विभाग के साथ कार्य करते हैं और दिल्ली तथा चेन्नई में स्थित है । इसके अतिरिक्त आयकर विभाग के साथ सात मुख्य इंजीनियर हैं जो देश में विभिन्न स्थानों में समुचित प्राधिकारी के सदस्य के रूप में कार्य करते हैं ।

कार्यभार

(लोनिवि, दिल्ली सहित)

(करोड़ रु0)

वेबसाइट देखें ।